मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के अवैध कारोबारपर बड़ी कारवाई

भोपाल, (एजेंसी। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खेती, तस्करी एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अलीराजपुर एवं नरसिंहपुर जिले में पुलिस ने महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए अवैध गांजे की खेती का पर्दाफाश किया तथा स्मैक सप्लाई नेटवर्क का खुलासा किया है। दोनों ही जिलों कार्यवाही कर पुलिस ने अवैध गांजे के पोधे एवं स्मैक सहित लगभग १ करोड़ ५२ लाख रुपए की संपति जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अलीराजपुर में दो खेतों से २,०४० गांजे के पौधे जब्त

जिले में थाना आंबुआ क्षेत्र में चार थानों की पुलिस एवं साइबर टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर दो खेतों से गांजे के २,०४० पौधे जब्त किए। इनका कुल वजन २० क्विंटल ७९ किलोग्राम तथा अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ रुपये है। दोनों प्रकरणों में दो आरोपियोंको अभिरक्षा में लेकर एनडीपीएस एक्टके तहत अपराध पंजीबद्ध किए गए हैं।

नरसिंहपुर में ऑपरेशन ईगल क्लॉ के तहत स्मैक सप्लाई नेटवर्क का खुलासा

नरसिंहपुर में संचालित ऑपरेशन ईगल क्लॉ के तहत पुलिस ने स्मैक की सप्लाई करने वाले नेटवर्क का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सांकल रोड क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों से क्रमशः २७० ग्राम एवं २३० ग्राम, कुल ५०० ग्राम अवैध स्मैक जब्त की। पूछताछ में प्राप्त जानकारी के आधार पर राजस्थान सीमा से लगे क्षेत्र से कथित मुख्य सप्लायर को भी गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में दो मोटरसाइकिल एवं दो मोबाइल फोन सहित लगभग ५२ लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर सप्लाई नेटवर्क, आपराधिक रिकॉर्ड, संपत्ति एवं वित्तीय लेन-देन की जांच की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए मादक पदार्थों की बरामदगी, आरोपियों की गिरफ्तारी, सप्लाई नेटवर्क के पर्दाफाश तथा अवैध कारोबार से अर्जित संपत्ति के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

समग्र पोर्टल में दो बड़े बदलाव, समग्र २.० से फर्जीवाड़े पर लगेगी लगाम

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश सरकार समग्र पोर्टल में दो बड़े बदलाव करने की तैयारी कर रही है। समग्र २.० के नाम से विकसित नए पोर्टल का उद्देश्य सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों का रिकॉर्ड अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाना है। नई व्यवस्था से हितग्राहियों की जानकारी के सत्यापन और रिकॉर्ड में होने वाली गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

नए पोर्टल में परिवार और सदस्यों से संबंधित जानकारी को अधिक व्यवस्थित तरीके से दर्ज करने तथा उसका सत्यापन करने पर जोर दिया जाएगा। इससे फर्जी नामों, डुप्लीकेट पंजीयन और अपात्र व्यक्तियों द्वारा सरकारी योजनाओं का लाभ लेने जैसी समस्याओं को रोकने में सहायता मिलेगी। यह दावा किया जा रहा है.

समग्र आईडी मध्य प्रदेश में विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए महत्व पूर्ण पोर्टल है। पोर्टल को अपडेट करने से हितग्राहियों के डेटा की विश्वसनीयता बढ़ाने और पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मदद मिलेगी।

एम्स भोपाल को एनएबीएच की पूर्ण मान्यता मिली

भोपाल, (एजेंसी)। अस्पताल की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा के मानकों पर खरा उतरने के मानदंड को लेकर एम्स भोपाल को राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) द्वारा पूर्ण प्रत्यायन की मान्यता दी गयी है। एम्स भोपाल के लिए पूर्ण प्रत्यायन की मान्यता अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मान्यता एम्स भोपाल की उच्च गुणवत्ता, सुरक्षित और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएं देने के प्रति समर्पण को साबित करती है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के अन्तर्गत पहले चरण में देश में स्थापित होने वाले छह एम्स में से एम्स भोपाल पहला संस्थान है जिसे एनएबीएच की पूर्ण प्रत्यायन मान्यता मिली है। यह उल्लेखनीय है कि यह प्रत्यायन मान्यता २३ सितंबर २०३० तक जारी रहेगी। यह संस्थान की सभी विशेषज्ञताओं और विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के सभी १,४५७ अस्पताल बिस्तरों को कवर करता है। आम मरीजों के लिए इसका अर्थ है कि अस्पताल की सेवाएं निर्धारित राष्ट्रीय मानकों पर परखी जा चुकी हैं। एम्स भोपाल ने जुलाई २०२५ में एनएबीएच के साथ पंजीकरण कराया था। इसके बाद एनएबीएच के पांच वरिष्ठ और अनुभवी मूल्यांकनकर्ताओं की टीम ने संस्थान का भौतिक मूल्यांकन किया था। इस टीम ने अस्पताल के बुनियादी ढांचे, चिकित्सकीय और प्रशासनिक प्रक्रियाओं, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों और मरीज सुरक्षा व्यवस्थाओं के विस्तृत मूल्यांकन के अलावा विभिन्न विभागों के स्वास्थ्य कर्मियों से भी बातचीत की। इसके साथ ही विशेषज्ञताओं और उनके अंतर्गत आने वाली विशिष्ट सेवाओं का मूल्यांकन भी किया गया। इसके बाद एनएबीएच के निर्धारित मानकों तथा वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन मानदंडों के आधार पर अंक दिए गए। एनएबीएच द्वारा इन रिपोर्टों को स्वीकार किए जाने के बाद संस्थान को पूर्ण प्रत्यायन प्रदान किया गया। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ) नरेन्द्र कोतवाल (एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, सेवानिवृत्त) ने इस उपलब्धि पर पूरे एम्स भोपाल परिवार को बधाई दी है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मरीज सुरक्षा को मजबूत करने में संकाय सदस्यों, रेजिडेंट डॉक्टरों, नर्सिंग कर्मियों, पैरामेडिकल पेशेवरों, प्रशासनिक टीमों और सभी सहयोगी कर्मचारियों के समर्पण और टीम भावना की सराहना की। प्रत्यायन की पूरी प्रक्रिया के दौरान एम्स भोपाल के सभी घटक विभागों ने अपनी प्रक्रियाओं की व्यवस्थित समीक्षा की, उन्हें मजबूत बनाया और उनका मानकीकरण किया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं में एकरूपता लाना, मरीजों के उपचार के परिणाम बेहतर करना और अधिक सुरक्षित, कुशल तथा मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य वातावरण सुनिश्चित करना रहा। इन प्रयासों से चिकित्सकीय और अस्पताल सेवाओं में गुणवत्ता, जवाबदेही और निरंतर सुधार की संस्कृति स्थापित हो रही है। एनएबीएच का पूर्ण प्रत्यायन संस्थान की स्वास्थ्य सेवा उत्कृष्टता की यात्रा में एक अहम पड़ाव है। यह मरीज देखभाल, गुणवत्ता सुधार और मरीज सुरक्षा के उच्च मानक बनाए रखने की एम्स भोपाल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

नवरात्र के प्रथम दिन जालपा माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़

यहा पाती से तय होती है शादी की तारीख, मन्नत पूरी होने पर सीधा स्वस्तिक बनाते हैं भक्त

राजगढ़(ईएमएस)ट जिले के प्रसिद्ध जालपा माता मंदिर में नवरात्रि के पहले दिन रविवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने माता के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। कई लोग परिवार के साथ पहुंचे, कुछ पैदल एक किलोमीटर पहाड़ी चढ़कर आए। घने जंगल में ऊंची पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर ११०० साल से ज्यादा पुराना बताया जाता है। यह मंदिर विवाह की तारीख तय करने की अनोखी परंपरा पाती के लिए भी जाना जाता है। पंचांग में मुहूर्त न मिलने पर पुजारी दानों की गणना कर विवाह की तारीख भी यहा बताते हैं। उज्जैन के महाकाल मंदिर की तर्ज पर यहां लड्डू प्रसाद के पैकेट बेचने के लिए काउंटर भी लगेगा। नवरात्रि के दौरान भक्तों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रसाद वितरण और दर्शन व्यवस्था महत्वपूर्ण रहेगी। स्थानीय लोगों के अनुसार, शादी होने के बाद कई परिवार नवविवाहित जोड़े के साथ दोबारा माता के दर्शन करने पहुंचते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं। इस तरह मंदिर में दर्शन के साथ विवाह की तारीख तय करने की परंपरा भी पीढ़ियों से चली आ रही आस्था का हिस्सा बनी हुई है।

मन्नत पूरी होने पर सीधा स्वस्तिक बनाते हैं भक्त

मंदिर में मनोकामना और मन्नत पूरी होने से जुड़ी एक और परंपरा प्रचलित है। मान्यता के अनुसार, श्रद्धालु अपनी मनोकामना लेकर आते हैं तो मंदिर में उल्टा स्वस्तिक बनाते हैं। मनोकामना पूरी होने पर वे दोबारा माता के दरबार पहुंचकर सीधा स्वस्तिक बनाते हैं। श्रद्धालु इसे अपनी मन्नत पूरी होने के प्रतीक के रूप में देखते हैं। नवरात्रि में भी कई भक्त माता के दर्शन के साथ अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं। जालपा माता मंदिर घने जंगल के बीच ऊंची टेकरी पर स्थित है। यहां पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को करीब एक किलोमीटर की चढ़ाई चढ़नी पड़ती है। पहाड़ी रास्ते से होकर मंदिर तक पहुंचने वाले भक्तों के लिए दर्शन की यात्रा भी आस्था का हिस्सा है। नवरात्रि के दौरान राजगढ़ के अलावा राजस्थान और दूसरे क्षेत्रों से भी श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, ज्वालानाथ नाम के एक भक्त ने यहां तपस्या की थी। इसी दौरान पीपल के पेड़ के नीचे माता की प्रतिमा मिलने की कथा प्रचलित है। प्रतिमा में माता को सिंह पर सवार बताया जाता है। मंदिर के निर्माण को लेकर भी स्थानीय लोगों के बीच पुरानी कथाएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि पुराने समय में राजाओं ने यहां मंदिर बनवाने का प्रयास किया था। मंदिर की सेवा से स्थानीय भील परिवारों की परंपरा जुड़े होनेकी बात भी कही जाती है।

प्रोजेक्ट में निवेश के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी

पुलिस ने बिल्डर के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

भोपाल, (एजेंसी)। कोहेफिजा पुलिस ने फ्लैट और डुप्लेक्स दिलाने के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में जांच के बाद निराला गृह निर्माण समिति के बिल्डर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार लालघाटी निवासी रमेश भावनानी ने कोहेफिजा थाने में लिखित शिकायत करते हुए बताया था कि साल २०१२ में अब्दुल शाहिद निवासी बीडीए कॉलोनी कोहेफिजा ने उनसे संपर्क करते हुए खुद को बिल्डर और कॉलोनी डेवलपर बताया था। बातचीत के बाद उसने मिसरोद स्थित निराला गृह निर्माण सहकारी समिति का अध्यक्ष होने की बात कहते हुए एक प्रोजेक्ट में फ्लैट और डुप्लेक्स दिलाने का भरोसा दिया। प्रोजेक्ट पसंद आने पर फरियादी ने अपने और परिवार के सदस्यों के नाम पर रकम इन्वेस्ट करते हुए १३ फ्लैट और ५ डुप्लेक्स खरीदने के लिए उसे ३ करोड़ १ लाख ९३ हजार की रकम दे दी। इस संबंध में उनके बीच एग्रीमेंट भी हुए थे। अनुबंध के मुताबिक, चार साल में निर्माण कार्य पूरा कर रजिस्ट्री कराने और कब्जा सौंपने की बात तय हुई थी। आरोप है कि तय समय के साथ ही १३ साल का लंबा समय गुजर जाने के बाद भी न तो उन्हें संपत्तियों का कब्जा दिया गया और न ही उनकी रकम लौटाई गई, उन्हें केवल आश्वासन देकर टाल मटोल की जाती रही। इस बीच प्रोजेक्ट की योजना बदल दी गई और फ्लैटों के बजाय डुप्लेक्स का निर्माण कराया गया। वह रकम समिति के खाते में जमा करने के बजाय निजी उपयोग में ली गई। शिकायत की जांच में धोखाधड़ी किए जाना सामने आने पर पुलिस ने अब्दुल शाहिद के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले से संबंधित अन्य दस्तावेजों और लेनदेन की जांच कर रही है।

सूने मकान का ताला तोड़कर ९५ हजार रुपये के जेवर और नकदी चोरी

जबलपुर, (एजेंसी)। बरेला थाना क्षेत्र के ग्राम नीमखेड़ा में सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने-चांदी के जेवर और नकदी सहित करीब ९५ हजार रुपये का माल चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम नीमखेड़ा निवासी ६२ वर्षीय अश्लोका देवी ६ अक्टूबर की रात करीब ८:३० बजे मकान में ताला लगाकर बिहार के सासाराम चली गई थीं। ८ अक्टूबर की रात जबलपुर लौटने के बाद वह अपनी बड़ी बेटी प्रिया पांडे के स्मार्ट टाउन, ग्राम सिलुआ स्थित घर पर रुक गईं। अगले दिन पड़ोस में रहने वाली महिला ने फोन कर बताया कि घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रात करीब २:३० बजे चार लोग घर में घुसते दिखाई दिए हैं। सूचना मिलने पर अश्लोका देवी बेटी के साथ नीमखेड़ा स्थित मकान पहुंचीं। वहां दरवाजे का ताला टूटा मिला और कमरे में सामान बिखरा हुआ था। अलमारी में रखे डिब्बे से सोने की एक जोड़ी बालियां, एक जोड़ी टॉप्स, तीन अंगूठियां, एक चेन, चांदी की दो अंगूठियां, १५ हजार रुपये नकद और कपड़े गायब मिले। पुलिस ने लिखित शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा ३३१(४) और ३०५(४) के तहत प्रकरण दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

राज्य सरकार किसानों के विकास के लिये प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डा. यादव

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों के सर्वांगीण विकास के लिये प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि उपज मंडी समिति प्रांगण, देवास में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव एवं जिला स्तरीय किसान मेले का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों एवं अन्नदाताओं को शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां चामुंडा और मां तुलजा भवानी की पावन धरा पर कृषि विभाग द्वारा किसानों के हित में आयोजित यह महाअभियान अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि माताजी की कृपा और शासन के कड़े निर्णयों से प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्ति मिली है। देवास के किसानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिले के अन्नदाता उन्नत तकनीकों और प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में कई उत्कृष्ट नवाचार कर रहे हैं, जिससे देवास पूरे प्रदेश में कृषि क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल बनकर उभर रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपेक्स बैंक प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए देवास प्रदेश का ४५वां जिला है, जहां बलराम कृषि महोत्सव का भव्य आयोजन हो रहा है।

देवास में २७ नवंबर से ७ दिसंबर तक लगेगा स्वदेशी मेला

देवास, (एजेंसी)। स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने, स्थानीय व्यापार एवं उद्योगों को बढ़ावा देने और स्वदेशी विचार को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से देवास में आगामी २७ नवंबर से ७ दिसंबर २०२६ तक स्वदेशी मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला पुलिस ग्राउंड में आयोजित होगा। मेले की तैयारियों एवं आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए होटल विश्वास में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले की वैचारिक पृष्ठभूमि, आयोजन स्थल, तारीख एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान मेले के प्रमुख दायित्वों की घोषणा भी की गई। आयोजन के लिए समीर मूंदड़ा को पालक, विजेंद्र उपाध्याय को मेला संयोजक तथा अभिषेक गोस्वामी, हीना राठौड़ एवं श्रीमती पुष्पलता सोनगरा को सह-संयोजक घोषित किया गया। मेले की अन्य समितियों एवं दायित्वों की घोषणा आगामी दिनों में की जाएगी। बैठक में स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक डॉ. विशाल पुरोहित, संभाग पूर्णकालिक हेमंत रावत, जिला संयोजक सुरेंद्र गिरि गोस्वामी सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रऋषि, भारत रत्न से सम्मानित स्व. नानाजी देशमुख की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि स्व. नानाजी देशमुख का राष्ट्र सेवा-ग्राम स्वावलंबन और अंत्योदय के लिए समर्पित जीवन सदैव लोककल्याण की ऊर्जा देता रहेगा। चित्रकूट में ग्राम विकास का उनका कार्य आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के लिए प्रेरणा का प्रतीक है

नौ राज्यों में २७ फीसदी ओबीसी आरक्षण, मध्य प्रदेश में क्यों नहीं? सुप्रीम कोर्ट जाने की चेतावनी

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को २७ प्रतिशत आरक्षण देने का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। नौ राज्यों में ओबीसी को २७ प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का हवाला देते हुए मध्य प्रदेश में भी इसे लागू करने की मांग उठाई जा रही है। मांग से जुड़े लोगों ने सवाल किया है कि जब अन्य भाजपा शासित राज्य गुजरात और उत्तर प्रदेश में २७ फीसदी ओबीसी आरक्षण की यह व्यवस्था लागू है, तो मध्य प्रदेश में इसे सरकार ने अब तक विवादित क्यों बना रखा है।

मध्य प्रदेश में २७ प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का मामला कानूनी अड़चनों और न्यायिक प्रक्रिया के कारण लंबे समय से चर्चा में बना हुआ है। आरक्षण समर्थकों का कहना है, राज्य सरकार को इस मामले में स्पष्ट नीति बनाकर पिछड़ा वर्ग को उसका अधिकार दिलाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी है, यदि मांग पर तुरंत उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

उल्लेखनीय है जब कमलनाथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री थे. उसे समय २७ फ़ीसदी ओबीसी आरक्षण घोषित किया गया था. इसके बाद कमलनाथ की सरकार गिर गई थी. उसके बाद से ही यह मामला कानूनी विवादों में फंसा हुआ है. इसको लेकर अब भाजपा ओबीसी के निशाने पर आ गई है।

डकैती प्रकरण की खात्मा रिपोर्ट को कोर्ट ने पुलिस विभाग के लिए माना कलंक

कहा-इसके दाग कभी नहीं छूटेंगे, पुलिस अधीक्षक को प्रकरणकी नये सिरेसे विवेचनाका दिया आदेश

इन्दौर, (एजेंसी)। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विवेक जैन धरमपुरी की कोर्ट ने डकैती के एक प्रकरण की खात्मा रिपोर्ट पर सुनवाई दौरान प्रकरण में पुलिस विवेचना और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते कड़ी टिप्पणी की कि पुलिस विभाग के लिए यह एक कलंक कथा है, जिसके दाग कभी नहीं छूटेंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने सख्त रूख अपनाते पुलिस अधीक्षक धार को प्रकरण में फिर से विवेचना कराने के साथ तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक कुशल सिंह रावत तथा विवेचक सहायक उपनिरीक्षक प्रकाश सरोदे के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश देते एक माह में कार्रवाई का प्रतिवेदन मांगा है। कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय ने प्राथमिकी दर्ज कराने या परिवाद प्रस्तुत करने की चेतावनी भी दी है। न्यायालय ने थाना प्रभारी को भी १५ दिन में नया विवेचक नियुक्त करने और उसे प्रत्येक ३० दिन में जांच की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सुनवाई दौरान कोर्ट ने पाया था कि घटना में कई बदमाशों के शामिल होने और दंपती के घायल होने के बावजूद पुलिस ने केवल गृह भेदन की धारा में प्रकरण दर्ज किया। डकैती, लूट और मारपीट से संबंधित गंभीर धाराएं नहीं जोड़ी गईं। विवेचक ने ३१ मार्च २०१८ को ही खात्मा प्रतिवेदन तैयार कर दिया था। जांच में पड़ोसियों और घायल पत्नी के बयान नहीं लेने तथा चिकित्सकीय साक्ष्यों की समुचित जांच नहीं करने जैसी कमियां भी सामने आईं। प्रतिवेदन लंबे समय तक न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाए गए।

सन् २०१७ में हुई डकैती के इस प्रकरण की कहानी संक्षेप में इस प्रकार है कि १६ दिसंबर २०१७ की दरमियानी रात ग्राम टवलाई में शंकरलाल जायसवाल और उनकी पत्नी घर में सो रहे थे, तभी रात करीब एक से डेढ़ बजे के बीच १० से १२ बदमाश उनके घर में घुस आए। विरोध करने पर बदमाशों ने शंकरलाल के सिर पर लकड़ी और डंडों से हमला किया तथा उनकी पत्नी को भी गंभीर चोटें पहुंचाईं तथा इसके बाद बदमाश अलमारी और किराना दुकान का गल्ला तोड़कर सोने-चांदी के जेवर, २० हजार रुपये और चार मोबाइल फोन ले गए थे। जिसके बाद पुलिस ने फरियादी शंकरलाल जायसवाल की शिकायत पर मामला दर्ज कर विवेचना कार्रवाई की तथा कोर्ट में खात्मा रिपोर्ट पेश की जिसे अस्वीकार करते कोर्ट ने अब नए सिरे से जांच में घटना के साक्ष्य जुटाने और आरोपितों की पहचान करने का आदेश पुलिस अधीक्षक को दिया है वहीं कोर्ट ने पुलिस अधीक्षक को प्रकरण में पूर्व दोनों तत्कालीन अधिकारियों के विरुद्ध साक्ष्यों के आधार पर विभागीय और कानूनी कार्रवाई कर एक माह में रिपोर्ट देने को भी कहा है।

जाति प्रमाण पत्र निरस्त करनेका एसडीएमका आदेश हाईकोर्टने किया खारिज

जबलपुर, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने जाति प्रमाण पत्र निरस्त करने के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए रांझी के अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) द्वारा जारी आदेश को निरस्त कर दिया है।

न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकल पीठ ने स्पष्ट किया कि जाति प्रमाण पत्र की वैधता पर विवाद होने की स्थिति में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा माधुरी पाटिल प्रकरण में निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्रवाई की जानी चाहिए।

मामले में रांझी, जबलपुर निवासी भारती बागरी की ओर से याचिका दायर की गई थी। याचिका के अनुसार, रांझी के एसडीएम ने २५ अगस्त २०२६ को आदेश जारी कर उनका अनुसूचित जाति वर्ग का प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया था। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजेश कुमार नामदेव ने हाईकोर्ट में तर्क दिया कि सर्वोच्च न्यायालय ने माधुरी पाटिल प्रकरण में जाति प्रमाण पत्र की जांच और सत्यापन के लिए स्पष्ट प्रक्रिया निर्धारित की है। इसके तहत प्रमाण पत्र की वैधता पर संदेह या विवाद होने पर मामले को सक्षम जाति छानबीन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। अधिवक्ता ने दलील दी कि एसडीएम ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना ही जाति प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया, जो विधि सम्मत नहीं है। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने याचिकाकर्ता की दलीलों से सहमति जताते हुए एसडीएम के विवादित आदेश को निरस्त कर दिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को यह छूट दी कि यदि जाति प्रमाण पत्र की वैधता को लेकर कोई संदेह है, तो वे नियमानुसार मामला सक्षम जाति छानबीन समिति को भेज सकते हैं।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जांच की प्रक्रिया में याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया जाना आवश्यक होगा। इस निर्णय से जाति प्रमाण पत्रों की जांच के मामलों में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के पालन का महत्व एक बार फिर रेखांकित हुआ है।

वृद्धा के गले से मंगलसूत्र झपटकर फरार हुए बदमाश

जबलपुर, (एजेंसी)। अधारताल थाना क्षेत्र के जयप्रकाश नगर में स्कूटी सवार दो बदमाश ६० वर्षीय महिला के गले से मंगलसूत्र झपटकर फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, जयप्रकाश नगर निवासी सुशीला केशरवानी ९ अक्टूबर की शाम करीब ७:१५ बजे घर से अकेले टहलने निकली थीं। वह बाबा श्रीवास्तव के घर के सामने पहुंचीं, तभी पीछे से स्कूटी पर सवार होकर आए करीब २० से २२ वर्ष के दो युवकों में से पीछे बैठे युवक ने उनके गले से मंगलसूत्र खींच लिया। लाल रंग की टी-शर्ट पहने आरोपी अपने साथी के साथ गायत्री नगर की तरफ भाग निकला। महिला की रिपोर्ट पर अधारताल पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा ३०९(४) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बोर्ड आफिस कर्मचारी को लिफ्ट देकर लूटने वाला नाबालिग गिरफ्तार

दो मोबाइल बरामद, फरार साथी की तलाश कर रही पुलिस

भोपाल, (एजेंसी)। कजलीखेड़ा थाना पुलिस ने बोर्ड ऑफिस कर्मचारी को लिफ्ट देकर लूट करने वाले दो आरोपियों में शामिल एक किशोर को पकड़ लिया है। दोनों आरोपियों ने कर्मचारी को सुनसान जगह पर ले जाकर मारपीट की और उसके दो मोबाइल, सोने और चांदी की दो अंगूठियां लूटकर फरार हो गये थे। पुलिस ने नाबालिग आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन बरामद कर उसके साथी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक आईबीडी हॉलमार्क सिटी, कजलीखेडा निवासी नरेश थपलियाल पिता ऋषीराम थपलियाल (३७) बोर्ड ऑफिस में ऑडिट डिपार्टमेंट में सहायक ग्रेड-३ के पर पर पदस्थ है। अपनी शिकायत में उन्होंने बताया की बीती ५ अक्टूबर की रात करीब ११ बजे वह दोस्तों के साथ पार्टी करके वापस लौट रहे थे। उनके दोस्तों ने उन्हें सीआई होम्स तिराहे के पास छोड़ दिया। वहां से आगे जाने के लिये नरेश ने विनीतकुंज तिराहे से दो बाइक सवार युवको से लिफ्ट मांगी। दोनों ने उन्हें बाइक पर पीछे बिठाया और कुछ दूर जाकर होली क्रॉस स्कूल के पास सेमरी जोड़ से भीतर कच्चे रास्ते पर सूने स्थान पर ले गए। वहॉ आरोपियों ने नरेश के साथ मारपीट कर धमकाते हुए नरेश के दोनों मोबाइल फोन और हाथ में पहनी सोने व चांदी की दो अंगूठियां सहित करीब ६५ हजार का माल छीनकर फरार हो गए। बाद में उन्होंने अन्य राहगीर के मोबाइल से परिजनों को जानकारी दी और फिर उनके साथ थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तालश शुरु की। हाथ लगे सुरागो के बाद टीम ने मुखबिर से मिली सूचना पर ग्राम बोरदा जोड़ क्षेत्र से घेराबंदी कर एक नाबालिग किशोर को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने खुलासा किया की उसने अपने साथी अर्जुन अहिरवार के साथ मिलकर फरियादी के साथ लूट की वारदात की थी। पुलिस ने उसके कब्जे से लूटे गये दो मोबाइल बरामद किये है। पुलिस घटना में शामिल किशोर के साथी अर्जुन अहिरवार की तलाश कर रही है।

पीड़िता को बहन के घर बंधक बनाकर दुराचार करने वाला जायेगा जेल

भाई के छिपा था पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा

भोपाल, (एजेंसी)। कजलीखेड़ा थाना पुलिस ने मेडिकल कॉलेज में काम करने वाली युवती को अपनी बहन के घर ले जाकर बंधक बनाकर दुष्कर्म किये जाने की घटना में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी उसे सामान दिलाने के बहाने अपनी स्कूटी पर बैठाकर जबरदस्ती अपनी बहन के घर लेकर पहुंचा और वहां उसे बंधक बनाते हुए ज्यादती की। बाद में आरोपी युवक की बहन के आने के बाद उसके चुगंल से निकल सकी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार १९ वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह एक निजी मेडिकल कॉलेज में सफाईकर्मी का काम करती है। उसकी शादी हो गई थी, लेकिन पारिवारिक विवाद के चलते वह पति को छोड़कर आ गई थी। उसके साथ में एक काम करने वाले एक अन्य कर्मचारी से उसकी पहचान थी। कर्मचारी का आरोपी भाई अरुण बालू अक्सर अस्पताल आता रहता था, जिसके कारण वह उसे भी पहचानती थी। आरोप है कि ३ अक्टूबर को वह परिचित कर्मचारी के कहने पर उसके लिये गुटखा लेने अस्पताल से बाहर आई थी। यहॉ उसे अरुण बालू मिला वह उसे गुटखा दिलाने के बहाने अपनी बाइक पर बैठाकर कोटरा सुल्तानाबाद क्षेत्र के एक मैदान में ले गया, जहां उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी उसे धोखे से अपनी बहन के घर ले गया और वहां उसे बंधक बनाकर रख लिया। उस समय उसकी बहन घर पर नहीं थी। आरोपी ने उसके परिवार वालो को जान से मारने की धमकी देते हुए उसे करीब ५ दिन तक बंधक बनाकर रखा और उसके साथ ज्यादती की। बाद में जब आरोपी की बहन घर आई तब उसने लड़की लाने का विरोध करते हुए वापस उसके घर भेजने की बात कही। इस बात को लेकर अरुण को अपनी बहन से झगड़ा होने लगा। इसी दौरान पीड़िता वहां से भाग निकली और किसी तरह अपने भाई को फोन कर सारी घटना बताई। जानकारी मिलने पर उसका भाई वहां पहुंचा और युवती को अपने साथ ले आया। इसके बाद पीड़िता ने मामले की शिकायत कजलीखेड़ा थाने में की। पुलिस ने अरुण के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की।

कार में टक्कर लगने पर युवक से मारपीट

जबलपुर, (एजेंसी)। गढ़ा थाना क्षेत्र में कार से रास्ता देने के दौरान हुए विवाद में एक युवक के साथ मारपीट कर उसकी कार को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, चंदन कॉलोनी संजीवनी नगर निवासी २२ वर्षीय राहुल सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ९ अक्टूबर की रात करीब ११ बजे अपने दोस्त की कार से साथी के साथ धनवंतरी नगर से घर लौट रहा था। चौधरी मोहल्ला स्थित दुर्गा मंदिर के सामने देवी साइकिल मार्ट की तरफ से ट्राले में दुर्गा प्रतिमा ले जाई जा रही थी। रास्ता देने के लिए राहुल कार पीछे कर र